पाठ 8. मेरा घनिष्ठ पड़ोसी

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में स्व-जागरूकता का कौशल विकसित करना है ताकि वे अपनी पसंद व नापसंद की पहचान कर सकें। कुँवर नारायण द्वारा रचित यह कविता उनके बरामदे में खड़े एक पेड़ को समर्पित है। कवि ने प्रकृति का अनूठा उदाहरण पेश किया है तथा यह बताने की चेष्टा की है कि पेड़-पौधों की भी अपनी भाषा होती है, दुख-दर्द होता है, बस ज़रूरत है उसे समझने की।

पाठ का सार

कवि पेड़ को अपना पड़ोसी मानता है तथा उससे दोस्त की भाँति व्यवहार करता है। कवि उस पेड़ का नाम या जाति नहीं जानता। उसकी डालें बरामदे में फैली रहती हैं तथा जब मन चाहे, कवि उनको सहला सकता है। जब हवा चलती है तो वह पेड़ कवि का नाम लेकर पुकारता प्रतीत होता है। इस प्रकार कवि तथा पेड़ में गाढ़ी दोस्ती हो गई है। सुबह के समय वह कवि को जगाता है तथा कवि भी उससे कई घंटों तक बातें करता है। उन दोनों की भाषा भी एक है–सुख-दुख की भाषा। कवि तथा पेड़ ने कई मौसम एक साथ मिलकर बिताए हैं। पेड़ पर चिड़ियों ने घोंसले बनाए हुए हैं जिससे दिनभर उनका आना-जाना लगा रहता है। कवि इन चिड़ियों को अपना मेहमान मानता है तथा कहता है कि कभी-कभी मेरा मकान चिड़ियों का घोंसला लगता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  प्रकृति चित्रण से जुड़ी ऐसी ही संवादपरक रचनाएँ चुनकर बच्चों को सुनाएँ। छंदमुक्त कविता के पठन-श्रवण के नये कौशलों से बच्चों का परिचय कराएँ। नए शब्दों के अर्थ दें। उसके बाद कविता को एकाधिक बार अंश-दर-अंश बच्चों से पढ़वाएँ। यह कविता अनुभवपरक है इसलिए, यदि संभव हो तो, कक्षा के निकट के किसी सघन-विस्तृत वृक्ष से बच्चों का परिचय कराएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 40** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - हिंदी में उर्दू, फ़ारसी या अरबी भाषाओं से आए शब्दों का उदाहरण दें। इसके बाद उनके अर्थ से मेल खाते हिंदी शब्दों की जानकारी दें।
  - बच्चे सर्वनाम से परिचित हैं ही, उन्हें इसके भेदों के बारे में उदाहरण देकर विस्तृत जानकारी दें।
  - विशेषण, विशेष्य और प्रविशेषण की परिभाषा उदाहरणसहित दें। जैसे–**एक महान व्यक्ति**–इसमें 'एक' प्रविशेषण है, 'महान' विशेषण है और 'व्यक्ति' विशेष्य है।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - 'चिपको आंदोलन' से संबंधित जानकारियों के चित्र कक्षा में जगह-जगह लगाए जा सकते हैं।

❖ नोटिस का प्रारूप (आदर्श) बनाकर दिखाया जा सकता है। बच्चे उसके बाद अपनी प्रतिभा से अपने-अपने नोटिस बनाएँ।।